



वर्श्व क्षय रोग दविस 2023

प्रलिस के लयि:

वर्श 2025 तक क्षय रोग मुक्त बनाना, WHO, माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, वर्श्व क्षय रोग रपिरट 2022, नक्षय पोषण योजना, DBT

मेन्स के लयि:

वर्श्व तपेदकि दविस 2023

चर्चा में क्यो?

क्षय रोग के बारे में जागरूकता फैलाने और इसका नरिाकरण करने के लयि सबसे अच्चे तरीके को अपनाने के उपलक्ष्य में [वर्श्व क्षय रोग दविस](#) **प्रतवर्श 24 मार्च** को मनाया जाता है।

- भारत का लक्ष्य वर्ष 2025 तक देश को क्षय रोग मुक्त बनाना है, जबकि इसके उनमूलन के लयि वैश्विक लक्ष्य वर्ष 2030 है।
- वर्ष 2023 के लयि थीम: **हाँ! हम क्षय रोग का उनमूलन कर सकते हैं!**

वर्श्व क्षय रोग दविस का महत्त्व:

- वर्ष 1882 में इस दिन डॉ. रॉबर्ट कोच ने क्षय रोग के कारक [Mycobacterium tuberculosis](#) की खोज की घोषणा की थी और उनकी खोज ने इस बीमारी के नदिान एवं इलाज का मार्ग प्रशस्त कयि।
- आज भी क्षय रोग वर्श्व के सबसे घातक संक्रामक रोगों में से एक है। [वर्श्व सवासथ्य संगठन](#) के अनुसार, प्रतदिनि 4100 से अधकि लोगों की मृत्यु क्षय रोग के कारण होती है और लगभग 28,000 लोग इस बीमारी से पीड़ति होते हैं। एक दशक से अधकि समय में पहली बार वर्ष 2020 में क्षय रोग से होने वाली मौतों में वृद्धि देखने को मली।
 - WHO के अनुसार, वर्ष 2020 में क्षय रोग से पीड़ति लोगों की संख्या लगभग 99,00,000 थी और इससे मरने वाले लोगों की संख्या लगभग 1,500,000 थी। क्षय रोग के उनमूलन के लयि वर्श्व स्तर पर कयि गए प्रयासों से वर्ष 2000 से अब तक 66,000,000 लोगों की जान बचाई जा चुकी है।
 - [वर्श्व क्षय रोग रपिरट 2022](#) के अनुसार, वर्श्व में क्षय रोग के लगभग 28% मामले भारत में हैं।
- इसलयि, वर्श्व क्षय रोग दविस वर्श्व भर के लोगों को इस रोग और इसके प्रभाव के बारे में शक्ति व जागरूक करने के लयि मनाया जाता है।

क्षय रोग:

- परचिय:
 - क्षय रोग [माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस](#) के कारण होने वाला एक संक्रमण है। यह व्यावहारिक रूप से शरीर के कसी भी अंग को प्रभावति कर सकता है। सबसे सामान्य फेफड़े, फुफ्फुस (फेफड़ों के चारों ओर अस्तर), लमिफ नोड्स, आँतों, रीढ़ और मस्तष्क हैं।
- संचरण:
 - यह एक वायुजनति संक्रमण है जो संक्रमति के साथ निकट संपर्क विशेष रूप से खराब वेंटिलेशन वाली घनी आबादी जैसे स्थानों से फैलता है।
- लक्ष्यण:
 - सक्रयि फेफड़े की टीबी के सामान्य लक्षण हैं जैसे- खाँसी के साथ बलगम और कभी-कभी खून आना, सीने में दर्द, कमजोरी, वजन घटना, बुखार एवं रात को पसीना आना।

■ इलाज:

- टीबी उपचार योग्य बीमारी है। इसका इलाज 4 रोगाणुरोधी दवाओं के 6 महीने की एक मानक अवधि के साथ किया जाता है जिसमें एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता या प्रशिक्षित स्वयंसेवक द्वारा रोगी को जानकारी, पर्यवेक्षण एवं सहायता प्रदान की जाती है।
- एंटी-टीबी दवाओं का उपयोग दशकों से किया जा रहा है और सर्वेक्षण किये गए प्रत्येक देश में 1 या अधिक दवाओं हेतु प्रतिरोधी उपभेदों का दस्तावेज़ीकरण किया गया है।
 - बहुऔषधि-प्रतिरोधी क्षय रोग (MDR-TB) TB का एक रूप है जो बैक्टीरिया के कारण होता है जिस पर आइसोनियाज़िड और रफैम्पिसिन जैसी दो सबसे प्रभावशाली क्षय रोग प्रतिरोधी औषधियों का कोई असर नहीं होता है।
 - MDR-TB बेडकवीलाइन जैसी दूसरी दवाओं का उपयोग करके उपचार और इलाज योग्य है।
 - व्यापक रूप से दवा प्रतिरोधी क्षय रोग (XDR-TB) MDR-TB का एक अधिक गंभीर रूप है जो बैक्टीरिया के कारण होता है, जिस पर दूसरे सबसे प्रभावी क्षय रोग प्रतिरोधी दवाओं का असर नहीं होता है जिसके कारण रोगियों के पास अक्सर उपचार का अन्य कोई दूसरा विकल्प भी नहीं होता है।

टीबी से निपटने हेतु पहल:

■ वैश्विक प्रयास:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने [ग्लोबल फंड](#) और [स्टॉप टीबी पार्टनरशिप](#) के साथ एक संयुक्त पहल "फाउंड. ट्रीट. ऑल. #EndTB" की शुरुआत की है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन ['ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट'](#) भी जारी करता है।

■ भारत के प्रयास:

- [क्षय रोग उनमूलन हेतु राष्ट्रीय रणनीतिक योजना](#) (2017-2025), नक्षय पारस्थितिकी तंत्र (राष्ट्रीय टीबी सूचना प्रणाली), नक्षय पोषण योजना (NPY- वित्तीय सहायता), ['टीबी हारेगा, देश जीतेगा अभियान'](#)।
- वर्तमान में दो टीके VPM (वैक्सीन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट) 1002 और MIP (माइक्रोबैक्टीरियम इंडकिस प्रानी) क्षय रोग के लिये विकसित एवं चहिनति हैं एवं ये [नैदानिक परीक्षण के चरण-3](#) में हैं।
- वर्ष 2018 में [नक्षय पोषण योजना](#) शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य पोषण संबंधी ज़रूरतों के लिये प्रतिमाह 500 रुपए का प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) प्रदान कर हर क्षय रोगी की मदद करना था।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)